

व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने पर जोर

बहुपक्षीय आर्थिक सहयोग को मजबूत करने का लक्ष्य

शंघाई सहयोगी संगठन ने 2026-2030 कार्ययोजना को हरी झंडी दी

बीजिंग, 13 नवंबर. शंघाई सहयोगी संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों ने वर्ष 2030 तक व्यापार और आर्थिक सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए बहुपक्षीय कार्ययोजना पर सहमति व्यक्त की है। इस महत्वपूर्ण निर्णय का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच निवेश, व्यापार और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है। एससीओ सचिवालय के अनुसार, 10 से 12 नवंबर तक रूस की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विशेषज्ञ समूह ने 2026-2030 की कार्ययोजना का मसौदा तैयार किया और इस पर आम सहमति बनी। योजना के पाठ को अब



आगामी 18 नवंबर को होने वाली एससीओ शासनाध्यक्षों की परिषद की बैठक में प्रस्तावित दस्तावेजों में शामिल किया जाएगा। शंघाई सहयोगी संगठन, जिसकी स्थापना 2001 में हुई थी, में भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, ईरान और मध्य एशियाई देश शामिल हैं। पिछले वर्ष बेलारूस भी सदस्य बना। एससीओ का यह कदम न केवल सदस्य देशों के आर्थिक विकास को

गति देगा, बल्कि क्षेत्रीय सहयोग और स्थिरता को भी मजबूत करेगा। शंघाई सहयोगी संगठन के सदस्य देशों ने बहुपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से वर्ष 2026 से 2030 तक की कार्ययोजना पर सहमति व्यक्त की है। यह योजना एससीओ देशों के बीच निवेश, व्यापार, उद्योग और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में सहयोग को नई दिशा देने के लिए तैयार की गई है।

इस योजना में सदस्य देशों के बीच व्यापार बाधाओं को कम करने, निवेश अवसरों को बढ़ाने और आर्थिक परियोजनाओं में साझा सहयोग को बढ़ावा देने के उपाय शामिल हैं। एससीओ, जिसकी स्थापना 2001 में हुई थी, में भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, ईरान, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान शामिल हैं। पिछले वर्ष बेलारूस भी सदस्य बना। इसके अलावा, अफगानिस्तान और मंगोलिया पर्यवेक्षक देश हैं और अजरबैजान, आर्मेनिया, बहरीन, मिस्र, कंबोडिया, कतर, कुवैत, म्यांमार, नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, तुर्की और श्रीलंका संवाद सहयोगी देशों के रूप में जुड़े हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इस कार्ययोजना का क्रियान्वयन एससीओ देशों के बीच व्यापार, आर्थिक सहयोग और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेगा।

शेयर बाजारों में आई तेजी
मुंबई, 13 नवंबर. घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को कुल मिलाकर बिकवाली हावी रही, हालांकि प्रमुख सूचकांक दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अंत में लगभग सपाट बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक संसेक्स 12.16 अंक (0.01 प्रतिशत) की मामूली बढ़त से 84,478.67 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 3.35 अंक यानी 0.01 फीसदी चढ़कर 25,879.15 अंक पर बंद हुआ। दोनों सूचकांक लगातार चौथे दिन हरे निशान में बंद हुए हैं। मझौली और छोटी कंपनियों में बिकवाली देखी गयी। निफ्टी में मिडकैप और स्मॉलकैप के सभी सूचकांक लाल निशान में बंद हुए। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.34 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.37 प्रतिशत लुढ़क गया।



खालिद अल फलीह ने सीतारमण और गोयल से की द्विपक्षीय वार्ता

भारत-सऊदी रिश्ते और गहरे निवेश व व्यापार पर हुई वार्ता

भारत में सऊदी निवेश बढ़ाने पर केंद्रित रही मंत्री स्तरीय बैठक

नयी दिल्ली 13 नवंबर. भारत की यात्रा पर आये सऊदी अरब के निवेश मंत्री खालिद अल फलीह ने सीतारमण और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ अलग अलग बैठकों की तथा द्विपक्षीय आर्थिक एवं व्यापारिक सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा की। वित्त मंत्री सीतारमण के साथ सऊदी अरब के मंत्री की बैठक के बारे में वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स के अपने पृष्ठ पर एक पोस्ट में बताया कि दोनों नेताओं ने दोनों पक्षों के अधिकारियों के साथ बैठक की। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि भारत और सऊदी अरब के बीच साझेदारी आपसी विश्वास और साझा समृद्धि की भावना पर आधारित होने से लगातार मजबूत होती जा रही है।

जुलाई में लौटेगा भारत का वैश्विक टेक्सटाइल मेगा इवेंट

नई दिल्ली, 13 नवंबर. भारत टेक्सटiles ट्रेड फेडरेशन ने देश के सबसे बड़े टेक्सटाइल और परिधान आयोजन 'भारत टेक्सटiles 2026' के तीसरे संस्करण की घोषणा की है। यह आयोजन 14 से 17 जुलाई 2026 तक नई दिल्ली के भारत मंडप में होगा। इच्छुक के चेयरमैन नरेंद्र गोनयका ने बताया कि 2024 और 2025 के सफल संस्करणों के बाद यह इवेंट भारत की पूरी टेक्सटाइल वैल्यू चेन को एक मंच पर लाएगा। आयोजन प्रधानमंत्री के 5वें विजन खेत से फाइबर, फाइबर से फैब्री, फैब्री से फैशन और फैशन से विदेशों को और आगे बढ़ाएगा। पिछले वर्ष का आयोजन 2.2 मिलियन वर्ग फुट क्षेत्र में हुआ था,

जिसमें 120 देशों से 6,000 अंतरराष्ट्रीय खरीदार, 5,000 प्रदर्शक और 1.2 लाख से अधिक दर्शक शामिल हुए थे। इस दौरान 2.5 अरब डॉलर के निर्यात अवसर और 2,100 करोड़ रुपये से अधिक निवेश प्रतिबद्धताएं दर्ज की गईं। सह-अध्यक्ष भद्रेश डोडिया के अनुसार, इस बार का मुख्य आकर्षण होगा ग्लोबल टेक्सटाइल डायलॉग 2026, जहां विश्व के उद्योग नेता, नीति निर्माता और विशेषज्ञ इंडस्ट्रीज 4.0, ESG, अनुसंधान और सहयोग जैसे विषयों पर चर्चा करेंगे। भारत टेक्सटiles 2026 का उद्देश्य MSME, स्टार्टअप और कारीगरों को वैश्विक बाजारों और निवेशकों से जोड़ना है।

सह-अध्यक्ष भद्रेश डोडिया के अनुसार, इस बार का मुख्य आकर्षण होगा ग्लोबल टेक्सटाइल डायलॉग 2026, जहां विश्व के उद्योग नेता, नीति निर्माता और विशेषज्ञ इंडस्ट्रीज 4.0, ESG, अनुसंधान और सहयोग जैसे विषयों पर चर्चा करेंगे। भारत टेक्सटiles 2026 का उद्देश्य MSME, स्टार्टअप और कारीगरों को वैश्विक बाजारों और निवेशकों से जोड़ना है।

टीएफएस ने दूसरी तिमाही में दिखाई मजबूती



देश में 500+ क्यूएसआर और लॉन्ज के साथ कारोबार में तेजी

हवाई अड्डों पर टीएफएस का विस्तार जारी

नयी दिल्ली, 13 नवंबर. देश के विभिन्न शहरों में टैवल क्यूएसआर (क्रिक सर्विस रेस्टोरेंट्स) और लॉन्ज का परिचालन करने वाली कंपनी टैवल फूड सर्विस लिमिटेड (टीएफएस) का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में समग्र आधार पर 15.3 प्रतिशत बढ़कर 97.9 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। कंपनी ने गुरुवार को वित्तीय परिणामों की घोषणा करते हुए बताया कि जुलाई-सितंबर तिमाही में पूरे तंत्र में उसकी कुल बिक्री 18.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 728.4 करोड़ रुपये रहा। उसने 30 सितंबर 2025 के आंकड़ों के हवाले से बताया कि वह देश में 500 से अधिक क्यूएसआर और लॉन्ज का संचालन कर रही है। तिमाही के दौरान उसने कोचीन एयरपोर्ट और दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 पर आउटलेट शुरू किये हैं। टीएफएस के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी

दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय यात्राओं का सिलसिला बढ़ा

वित्त वर्ष 2024-25 में भारत और अपनी अर्थव्यवस्था का विविधीकरण कर रहे तेल और गैस के प्रमुख उत्पादक एवं निर्यातक सऊदी अरब के बीच 41.88 अरब डॉलर का व्यापार हुआ था, जिसमें भारत से निर्यात 11.76 अरब डॉलर का निर्यात और सऊदी अरब से आयात 30.12 अरब डॉलर का था। भारत वहां से मुख्य रूप से कच्चे तेल और पेट्रोकेमिकल उत्पादों का आयात करता है, जबकि सऊदी अरब भारत के इंजीनियरिंग सामान, वस्त्र और खाद्य उत्पादों जैसे कई क्षेत्रों से सामान खरीदता है। हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय यात्राओं का सिलसिला बढ़ा है।

रेफ्को होम ने दूसरी तिमाही के नतीजे जारी किए फाइनेंस का शुद्ध लाभ रुपए 107 करोड़ पहुंचा

चेन्नई, 13 नवंबर. रेफ्को होम फाइनेंस लिमिटेड के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही (30 सितंबर 2025 तक) के वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी। कंपनी ने इस अवधि में रुपए 107 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया। 30 सितंबर 2025 तक कंपनी की कुल ऋण पुस्तिका रुपए 15,033 करोड़ रही, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7.7 प्रतिशत अधिक है। गैर-वित्तभोगी ग्राहकों का हिस्सा 52.6 प्रतिशत और

वित्तभोगी वर्ग का 47.4 प्रतिशत रहा। आवास ऋणों का कुल ऋणों में 71.4 प्रतिशत और होम इंडिक्टी उत्पादों का 28.6 प्रतिशत हिस्सा रहा। कंपनी की सकल एनपीए

वित्त वर्ष 2025 तक कंपनी की कुल ऋण पुस्तिका रुपए 15,033 करोड़ रही, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7.7 प्रतिशत अधिक है। गैर-वित्तभोगी ग्राहकों का हिस्सा 52.6 प्रतिशत और

सोने-चांदी के भाव में तेजी

नयी दिल्ली, 13 नवंबर. भारत के सोने-चांदी बाजार में जबर्दस्त तेजी देखने को मिल रही है। जारी दरों के अनुसार, 24 कैरेट सोना 12,780 प्रति ग्राम तक पहुंच गया है, जो कल की तुलना में 229 की बढ़त दर्शाता है। इसी तरह चांदी में भी भारी उछाल आया है और इसके भाव में 10,000 प्रति किलो की वृद्धि दर्ज की गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक स्तर पर सोने की मांग बढ़ने और डॉलर इंडेक्स में गिरावट के चलते कीमती धातुओं में यह तेजी आई है। इसके साथ ही घरेलू त्योहारी सीजन और निवेशकों की बढ़ी

कूलबूक के साथ अडानी सीमेंट की साझेदारी नेट जीरो मिशन की ओर अडानी समूह का बड़ा कदम

अहमदाबाद, 12 नवंबर. अडानी समूह आंध्र प्रदेश स्थित अपने बोयोरॉइडिंग इंडीग्रेटेड सीमेंट प्लांट में सीमेंट डीकार्बोनाइजेशन के लिए कूलबूक की रोटाइयानामिक हीटर (आरडीएच) तकनीक का इस्तेमाल करेगा। कंपनी ने बताया कि कूलबूक की आरडीएच तकनीक का पहला बार औद्योगिक पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है। अडानी सीमेंट ने साल 2050 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन का



उत्पादन में सबसे ज्यादा कार्बन उत्सर्जन वाले कैल्सीनेशन के चरण को कार्बन मुक्त करेगी। इससे सालाना लगभग 60,000 टन कार्बन उत्सर्जन में सीधे तौर पर कमी आने की उम्मीद है, और आने वाले समय में इसमें 10 गुना वृद्धि की संभावना है। आरडीएच प्रणाली पूरी तरह से अडानी सीमेंट के बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो से संचालित होगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि उत्पन्न औद्योगिक ऊष्मा पूरी तरह से उत्सर्जन मुक्त हो।

समाचार विशेष

आठ सीटों के उपचुनाव में दमदार लड़ाई

नई दिल्ली. आमतौर पर उपचुनाव में पार्टियां ज्यादा दम नहीं लगाती हैं। अगर उपचुनाव के नतीजे से सरकार की सहत पर फर्क नहीं पड़ने वाला हो तब तो कोई जोर नहीं लगाता है। लेकिन इस बार आठ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव में पक्ष और विपक्ष दोनों तरफ से गजब दम लगाया गया है, जबकि इन सीटों के नतीजों से सरकार की सहत पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। चाहे जम्मू कश्मीर को बडगाम और नागरोटा सीट का मामला हो या राजस्थान की अंता सीट का और ओडिशा की नुआपाड़ा सीट का हो या तेलंगाना की जुबली

हिल्स, झारखंड की घाटशिला सीट या पंजाब की तरनतारन सीट का मामला हो। सभी राज्यों में सरकारों की ओर से जबर्दस्त तैयारी के साथ यह चुनाव लड़ा गया तो विपक्ष की ओर से भी पूरी ताकत से चुनाव लड़ा गया। कश्मीर की बडगाम सीट

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के इस्तीफे से खाली हुई है। उस सीट पर उनकी प्रतिष्ठा दांव पर है। भाजपा से ज्यादा पीडीपी उस सीट को हराने में लगी है। उमर की पार्टी के सांसद आगा रूहुल्ला खान ने उस सीट पर प्रचार से मना कर दिया, जिससे चुनाव और दिलचस्प हो गया।

करणी सेना के ऐलान से राजनीति में हलचल

आगरा. उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में करणी सेना 50 प्रत्याशी उतारेगी। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरज पाल सिंह अम्मू ने कमला नगर में मुगल रोड स्थित नेचर रिजार्ट में आयोजित पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। वे यहां संवाद से समाधान तक बैठक में भाग लेने पहुंचे थे। बैठक में संगठन को मजबूत करने और आगामी रणनीति पर चर्चा की गई। इस दौरान सुरज पाल उम्मू ने कहा कि करणी सेना वर्ष 2027 में होने

वाले विधान सभा चुनाव में 50 सीटों पर प्रत्याशी उतारेगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह चुनाव किसी दल के साथ गठबंधन में लड़ा जाएगा या स्वतंत्र रूप से इसका निर्णय समय आने पर किया जाएगा। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष आशीष चौहान, ब्रज प्रांत अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह मीनू, महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष विदुषी सिंह, पंकज जादौन, दुष्यंत कुमार, शौर्यवीर सिंह, सुमित तोमर, कपिल गौतम और अरविंद राणा मौजूद रहे।

एमसीडी चुनाव में आप की मुश्किल

नई दिल्ली. राजधानी दिल्ली में नगर निगम चुनाव में अभी दो साल बाकी हैं लेकिन उससे पहले एक मिनट चुनाव हो रहा है। विधानसभा चुनाव में कई पार्टियों के विधायक बन जाने और अन्य वजहों से खाली हुई एमसीडी की 12 सीटों पर चुनाव हो रहा है। नगर निगम के पिछले चुनाव में भाजपा ने आम आदमी पार्टी को हरा कर निगम पर कब्जा किया था। अब दोनों के लिए 12 सीटों का चुनाव प्रतिष्ठा की लड़ाई है। आम आदमी पार्टी को दिखाना है कि दिल्ली में उसका आधार पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। यह इसलिए जरूरी है क्योंकि अब पंजाब विधानसभा चुनाव में डेढ़ साल से भी कम समय रह गया है और आम आदमी पार्टी को हर हाल में पंजाब की सरकार बचानी है। वह सरकार बचेगी तभी गुजरात या गोवा जैसे किसी राज्य में पार्टी की पैदा होगी और दिल्ली में चापसी की संभावना बनेगी। इसमें तरनतारन

विधानसभा सीट का उपचुनाव भी अहम है। दूसरी ओर भाजपा को दिखाना है कि साल के शुरू में उसको जो समर्थन मिला था वह कायम है। दिल्ली में भाजपा की रेखा गुप्ता की सरकार बने एक साल नहीं हुए हैं। लेकिन पहले साल में ही लोगों ने बारिश में नालों का जाम होना और सड़कों का जलजमाव भी देख लिया, छठ पर यमुना की गंदगी भी देख ली और अब सर्दियों में वायु प्रदूषण भी देख लिया। तभी भाजपा के लिए यह चुनाव मुश्किल होना चाहिए था लेकिन ऐसा लग रहा है कि विपक्षी पार्टी आप ही ज्यादा मुश्किल में है।

शिष्य मुस्लिम राजनीति में ओवैसी के कद का होगा फेसला!

सीमांचल के नतीजों से तय होगी एआईएमआईएम की किरमत

एआईएमआईएम और ओवैसी की मुस्लिम राजनीति को गहराई तक प्रभावित कर सकते हैं। मुस्लिम वोटों पर आधारित राजनीति करने वाले ओवैसी के दूसरे प्रदेशों में पार्टी की जड़ें बनाने के सपने और भविष्य दोनों का निर्धारण होगा। ओवैसी ने बिहार विधानसभा 2020 में प्रदेश की राजनीति में कदम रखा था। सीमांचल में उन्होंने महागठबंधन को तगड़ा नुकसान पहुंचाया था। उनकी पार्टी से 5 विधायक जाते, लेकिन उनमें से 4 बाद में आरजेडी में चले गए। हालांकि, इस बार उन्होंने इंडिया गठबंधन में शामिल होने की इच्छा जताई थी लेकिन तेजस्वी यादव ने दिलचस्पी नहीं दिखाई।

असतुद्दीन ओवैसी और उनकी पार्टी खुले तौर पर खुद को मुसलमानों के रहनुमा और उनका असली प्रतिनिधि होने का दावा करती हैं। संसद हो या सड़क वह खुलकर मोदी सरकार को मुखालफत करते हैं। तीन तलाक से लेकर वफा कानूनों का उन्होंने कड़ा विरोध किया है। ओवैसी ने तेलंगाना के बाहर महाराष्ट्र और बिहार की राजनीति में किस्मत आजमाई और उन्हें सीमित सफलता भी मिली। वह खास तौर पर मुस्लिम बहुल इलाकों में ही अपने उम्मीदवार उतारते रहे हैं। जाति-धर्म और वार्दों का सियासी खेल! - लेकिन वार्दों के लिए यह क्या होगा इस बार का चुनाव? बिहार

विधानसभा चुनाव में अगर इस बार भी वह अपना पिछला प्रदर्शन दोहराते हैं, तो उनके लिए आगे की संभावनाएं बेगनी। हालांकि, अगर इस बार उन्हें सफलता नहीं मिलती है तो यह भी तय हो जाएगा कि पिछली चुनाव में मिली जीत किसी स्थायी विकल्प की संभावना नहीं थी। एक संभावना यह भी है कि अगर ओवैसी की सीटें कम भी होती हैं, लेकिन उनका मत प्रतिशत बरकरार रहता है, तो यह मुस्लिम राजनीति की दिशा बदल सकती है। बिहार के बाद एआईएमआईएम बंगाल और यूपी के मुस्लिम बहुल इलाकों में अपनी पैठ बनाने को कोशिश करेगी।

सीमांचल में ऐसा है मुस्लिम वोटों का गणित

सीमांचल की बात करें, तो यहां 24 सीटें हैं और मुस्लिम वोट निर्णायक स्थिति में रहते हैं। मुस्लिम वोटों की आबादी 25 फीसदी से लेकर 70 फीसदी तक है। किशनगंज में 67 प्रतिशत मुस्लिम, कटिहार में 42 प्रतिशत, अररिया में 41 प्रतिशत और पूर्णिया में 37 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है। ओवैसी ने पहले 32 सीटों पर उम्मीदवार उतारने का ऐलान किया था, लेकिन आखिर में उन्होंने कुल 25 सीटों पर ही अपने कैडिडेट्स उतारे हैं। पिछले चुनाव में ओवैसी ने सीमांचल में मुस्लिम वोट बैंक में संघ लगाई थी। इसी क्षेत्र में महागठबंधन का प्रदर्शन सबसे खराब रहा था और एनडीए को 12 सीटों पर जीत मिली थी, जबकि महागठबंधन सिर्फ 7 सीटें ही जीत पाई थी।

